>

Title: Need to introduce E-commerce for agricultural produce in the country to ensure good returns to the farmers for their produce.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): महोदय, हमारे कृषि प्रधान देश में आज हमारा अन्नदाता किसान ही शोषण का शिकार है। छोटे किसान को यदि उसकी उपज का सही समय पर उचित दाम मिल जाये तो वह अपने को सौभाग्यशाली समझता है। आज देश में तकनीकी के व्यापक इस्तेमाल की आवश्यकता है। इसके लिए मेरा आपसे आग्रह है कि हम देश में अनाज के क्रय विक्रय के लिये एक विकसित व्यवस्था लागू करें। हमारे पास देश में विभिन्न मंडियों में बड़े गोदाम व ग्रेडर हैं। किसान द्वारा अपने समीप की मंडी के गोदाम में अनाज की ग्रेडिंग उपरांत भंडारण के लिये जमा करने पर ग्रेडिंग सहित अनाज की मात्रा पास बुक में भरकर दी जाये। उसके अनुसार देश में किसी भी मंडी में अनाज बेचने की पात्रता किसान को होने पर अपनी उपज की अच्छी कीमत उसे प्राप्त हो सकेगी। इसमे अनाज एक राज्य से दूसरे राज्य में नहीं भेजना होगा बल्कि खरीददार व्यापारी को ग्रेडिंग के अनुसार निकटतम मंडी से अनाज उपलब्ध कराना होगा। इससे बार बार ट्रांसपोर्टेशन नहीं होगा तथा ई कामर्स के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का मूल्य भी आसानी से पहुंचाया जा सकेगा। देश में हमारे पास शेयर मार्केट के रूप में बड़ा तंत्र मौजूद है यदि ऐसा ही तंत्र हम किसानों के लिये इस रूप में विकसित कर सके तो देश के किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा साथ ही उनकी आत्म निर्भरता भी बढ़ेगी।